(4) पाठ्यवस्तु विश्लेषण के मानदण्ड -

पाठ्यवस्तु विश्लेषण के मानदण्डों को मुख्य रूप से दो भागों में बाटा जा सकता है।

(अ) - शैक्षिक

(ब) भौतिक

(अ) शैक्षिक - शैक्षिक विषयवस्तु का विश्लेषण निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत विषयवस्तु को बाटकर किया जाता है।

1 - विषय वस्तु का चयन
2) विषयवस्तु का संगठन
3) विषयवस्तु का प्रस्तुतीकरण
4) शाब्दिक सम्प्रेषण
5) दृश्य सम्प्रेषण
6) उदाहरणों का समावेश
7) अभ्यासार्थ प्रश्न
8) सन्दर्भ एवं निर्देशन
9) भूमिका परिशिष्ट एवं अनुक्रमणिका

Scanned with CamSc

(x) पाठ्यवस्तु विश्लेषण के स्रोत :- पाठ्यवस्तु विश्लेषण के समय एक शिक्षक को अनेक स्रोतों का प्रयोग करना चाहिए ताकि पाठ्य वस्तु को विस्तृत रूप प्रदान किया जा सके। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक को पाठ्य-वस्तु पर पूर्ण अधिकार होना चाहिए और उसे किन-2 स्रोतों से इकट्ठा किया जा सकता है इसकी भी जानकारी होनी चाहिए। पाठ्य वस्तु के स्रोतों की जानकारी हेतु उसे प्रमाणिक पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए, छात्रों की योग्यताओं, मानसिक स्तर व मानसिक विकास तथा रुचि का ध्यान रखना चाहिए।

पाठ्यक्रम निर्धारकों के लिए यह आवश्यक है कि वे ध्यान रखें कि पाठ्य-वस्तु का चयन कहाँ से तथा कैसे करें ताकि उसके द्वारा निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति की जा सके। पाठ्यवस्तु चयन के कुछ स्रोत निम्न हैं।

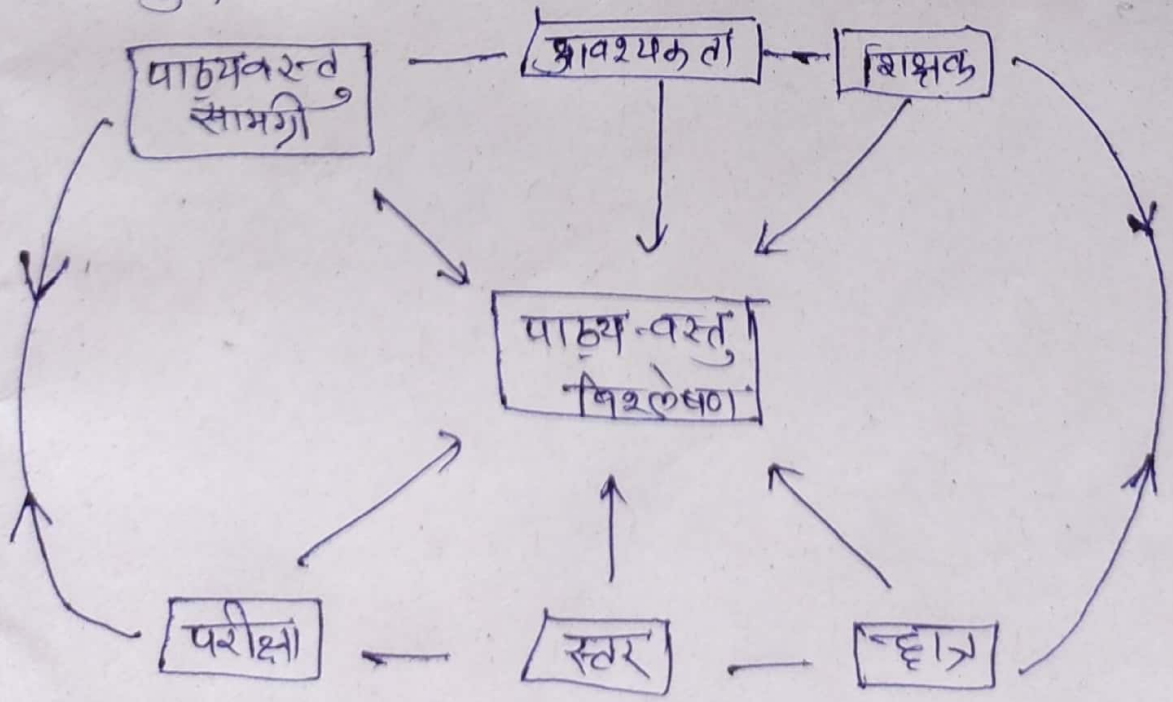

1) प्रमाणित पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन

Scanned with CamSc

2) छात्र आवश्यकताएँ (का ध्यान रखना चाहिए)

3) शिक्षकों की आवश्यकताओं के अनुरूप

4) परीक्षा प्रणाली के अनुरूप

5) शिक्षण सहायक सामग्री

6) प्रशिक्षण कौशल के विकास का ध्यान

7) मूल्य विकास का ध्येय (शारीरिक, मानसिक, नैतिक, सामाजिक व चारित्रिक मूल्यों का विकास करना)

8) समाज का वर्तमान स्वरूप एवं भविष्य की सम्भावनाओं का ध्यान

9) ~~लोकतांत्रिक~~ लोकतान्त्रिक भावनाओं व नागरिकता के गुणों के विकास करना

10) मानवीय ज्ञान में वृद्धि।

11) विषय वस्तु की प्रकृति व संरचना

Scanned with CamSc